रवीन्द्रनाथ ठाकुर

मैथिली गीतकेँ जन-गण धरि लऽ जायवला कविमे रवीन्द्रनाथ ठाकुर मुख्य छथि। पूर्णिया जिलाक धमदाहा गाममे 7 अप्रैल, 1936 कऽ हिनक जन्म भेलनि। प्रारम्भमे ई सरकारी नोकरी कयलनि, मुदा से छोड़ि पूर्णत: लेखन-कार्यमे लागि गेलाह। मैथिली अकादमी, पटनाक निदेशक रूपमे महत्वपूर्ण काज कयने छथि।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर स्वभावसँ साहित्य-संगीत-कला संसारक लोक छथि। गीतक माध्यमसँ मैथिली भाषा - साहित्यक प्रचार-प्रसार कयलनि। बाल-बच्चा, युवक-युवती आ बूढ़-जवान-सभकेँ हिनक गीत नीक लगलैक। सुनि-पढ़ि कऽ लोक झूमि उठल। एहि प्रकारक गीत-संग्रहमे सुनू सुनू बहिना, जहिना छी तहिना, स्वतंत्रता अमर हो हमर, प्रगीत, सुगीत, रवीन्द्र पदावली आदि लोकप्रिय अछि। मैथिलीमे फिल्म बनयबाक श्रेय हिनका छनि। 'ममता गाबय गीत' आइयो ऐतिहासिक उपलब्धि मानल जाइत अछि। सम्प्रति दिल्लीमे रहि सुयोजन फिल्म्स इन्डिया प्राइवेट लिमिटेडक माध्यमसँ साहित्य आ कलाकेँ नव-नव आयाम दऽ रहल छथि।

काव्य सन्दर्भ -प्रस्तुत कविता 'स्वतंत्रता अमर हो हमर' नामक पोथीसँ लेल गेल अछि। पोथीक नामे सँ स्पष्ट अछि जे एहिमे राष्ट्रप्रेमक रचना संगृहीत अछि। 'जय-जवान : जय किसान' सेहो राष्ट्रीय प्रेमक कविता थिक। भारत पर चीनी आक्रमण 1962 मे भेल छल। तकरा बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री इएह नारा देने रहथि। भारतक सेना आ किसानकेँ जगयबाक लेल ई कविता लिखल गेल अछि। यदि भारत सुरक्षित आ आत्म-निर्भर रहत तऽ एकरा पर कोनो आक्रमण निष्फल भऽ जायत। तेँ सैनिककेँ आ कृषककेँ अपन-अपन काजमे मनसँ लागब अपेक्षित अछि।

जय जवान : जय किसान

जय बाजू मिलिकय भैया
जय बाजू वीर जवान केर
जय जय हो भारत मैया
जय जय हो आइ किसान केर।

लड़त सिपाही जा सीमा पर
हऽम अन्न उपजेबै
आमद सँ कम खर्चा करबै
बेसी अन्न बचेबै
असराने रखबै आन केर।

हऽम कमयबै तखने खयतै
बोआ हमर सिपाही
मेहनति करबै देह तोड़िकै
हऽ रे बड़द गबाही
ममता ने राखब जान केर।

बून्दे-बून्दे घैल भरै छै
पैसे-पैसे भरे बटुआ
जै घर पैसा सुख छै तै घर
नाचय छम-छम नटुआ
शोभा अपरूप हिन्दुस्तान केर।

शब्दार्थ

आमद - आमदनी

असरा - भरोसा

अपरूप - सुन्दर

बटुआ - कपड़ाक बनाओल छोट झोड़ी

प्रश्न ओ अभ्यास

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

(i) 'जय जवान जय किसान' कविताक रचनाकार के छथि ?

(क) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' (ख) रवीन्द्रनाथ ठाकुर

(ग) उदय चन्द्र झा 'विनोद' (घ) तारानन्द 'वियोगी'

(ii) सिपाही कतय लड़ैत अछि

(क) खेतमे (ख) घरमे

(ग) सीमा पर (घ) लड़ाइक मैदानमे

2. रिक्त स्थानक पूर्ति करू :-

(i) ममता ने राखब ..... केर

(ii) नाचय छम-छम नटुआ शोभा अपरूप ..... केर

3. निम्नलिखितमे सँ शुद्ध / अशुद्ध प्रश्नकेँ चिह्नित करू :-

(i) किसान सीमा पर लड़ैत अछि।

(ii) सिपाही अपन जान केर मोह नहि रखैत अछि।

4. सप्रसंग व्याख्या करू :

(i) लड़त सिपाही जा सीमा पर

हऽम अन्न उपजेबै

आमदसँ कम खर्चा करबै

बेसी अन्न बचेबै

असराने रखबै आन केर ।

(ii) बून्दे-बून्दे घैल भरै छै
पैसे-पैसे भरे बटुआ
जै घर पैसा सुख छै तै घर
नाचय छम-छम नटुआ
शोभा अपरूप हिन्दुस्तान केर।

5. लघूत्तरीय प्रश्न -

(i) जवान की करैत छथि ?

(ii) किसानक की काज अछि?

(iii) कवि ककर जयकार करैत छथि ?

(iv) कोन व्यक्ति प्रसन्न रहैत छथि ?

6. दीर्घोत्तरीय प्रश्न -

(i) देशक विकासमे जवान ओ किसानक योगदानक उल्लेख करू।

(ii) 'जय जवान जय किसान' कविताक भाव स्पष्ट करू।

गतिविधि-

1. अमर शहीद सेनानी पर लिखित गीत छात्र गावथि।
2. एक किसानक आत्मकथा लिखू
3. जवान आ किसान देशक लेल कतेक महत्त्वपूर्ण अछि–छात्र आपसमे चर्चा करथि।
4. जवान आ किसानक जीवन पर स्वतन्त्र-स्वतन्त्र निबन्ध लिखू।

निर्देश -

1. शिक्षक छात्रकेँ जवान आ किसानक दशासँ अवगत करावथि।
2. किसान पर लिखित आन गीतसँ शिक्षक छात्रकेँ परिचित करावथि।
3. 'जय-जवानः जय किसान' कविताक सस्वर पाठ करावथि।
4. 'जय जवानः जय किसान' किनकर नारा थिक, शिक्षक छात्रकेँ अवगत करावथि।
5. 'जय जवानः जय किसान नारा' कहिआ देल गेल आ किएक देल गेल-शिक्षक छात्रकेँ बुझावथि।